Dainik Jagran - 18/11/17

ईश्वर गुरु के माध्यम से करता है मार्गदर्शन

योगदा आश्रम में शरद संगम का समापन, देश-विदेश से 2000 से ज्यादा भक्त हुए शामिल

जागरण संवाददाता, रांची : योगदा आश्रम में शरद संगम का समापन शुक्रवार को हो गया। 12 नवंबर से यह चल रहा था, जिसमें देश-विदेश से करीब दो हजार भक्त रांची आश्रम में आए थे। सभी भक्तों ने हर दिन ध्यान-क्रिया योग आदि सीखा। इस अवसर पर योगदा सत्संग सोसाइटी/सेल्फ रियलाइजेशन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद ने कहा कि ऋषियों-सद्गुरुओं के चिंतन तत्व को पूरी दुनिया में परमहंस योगानंद ने फैलाने का कार्य किया। पश्चिम उन्हें फादर ऑफ योगा के रूप जानता है। मौके पर भक्तों को संबोधित करते हुए स्वामी ईश्वरानंद ने कहा कि ध्यान एवं कर्म के संतुलन से अभिप्राय दोनों को समान अनुपात में करना नहीं है, अपितु उचित अनुपात में करना है। प्रत्येक कार्य उचित समय पर उचित मात्रा में करना अनुभव एवं विवेक से आता है। जब हम अपने सारे कार्य ध्यान द्वारा प्राप्त अंतरमुखी अवस्था में करते हैं तो हमारा विवेक जाग्रत रहता है और हमें सफलता प्राप्त होती है।

मौन को किया परिभाषित : स्वामी कृष्णानंद ने मौन को परिभाषित किया। कहा, गुरु में हमें सदा मौन रहने वाले ईश्वर के मुखर रूप के दर्शन होते हैं। ईश्वर गुरु के माध्यम से ही हमारा मार्गदर्शन करते हैं। गुरु-शिष्य का संबंध बहुत शुद्ध और सूक्ष्म होता है। इसे अनुभव से ही समझा जा सकता है। माता-पिता का प्रेम भी गुरु के प्रेम के आगे फीका पड़ जाता है। स्वामी ओंकारानंद ने कहा कि विनम्रता भक्त का वह सबसे बड़ा गुण है, जिससे ईश्वर सर्वाधिक प्रसन्न होते हैं। ईश्वर हमारी चेतना में तभी प्रवेश कर सकते हैं, जब हम अहं भाव को अपनी चेतना से निकालकर उनके लिए वहां स्थान बनाएं। अब्राहम लिंकन एवं गांधीजी ने भी हमारे सम्मुख विनम्रता के बहुत उदाहरण प्रस्तुत किए हैं।

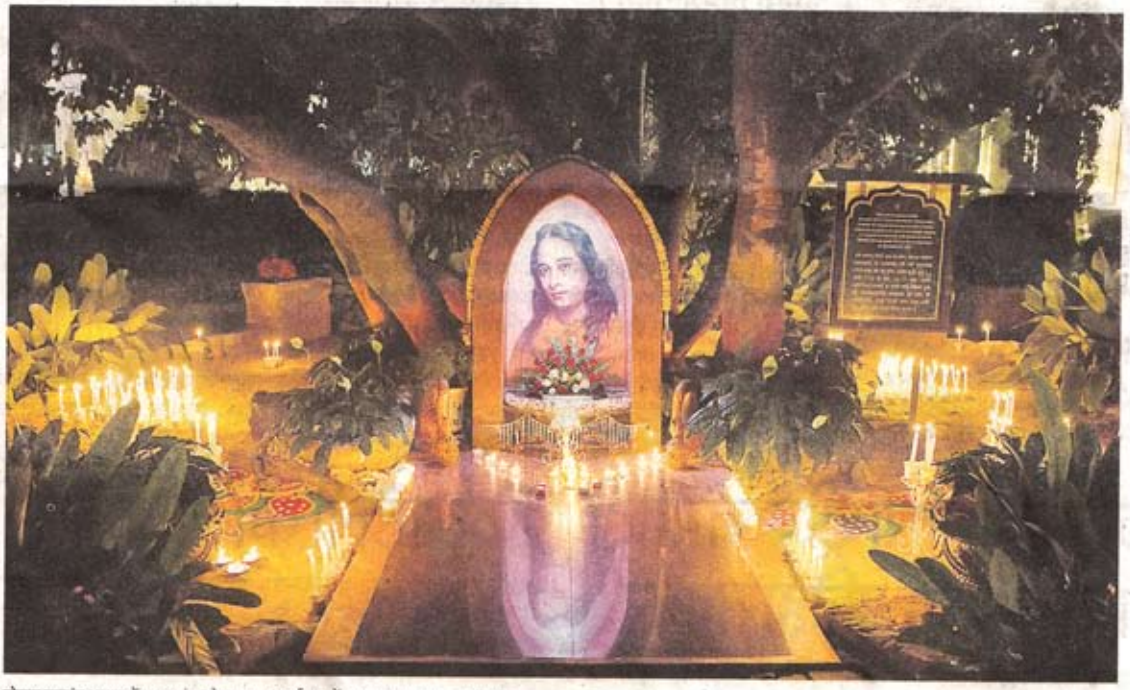

योगदा सत्संग आश्रम में शरद संगम के समापन कार्यक्रम में सजाया गया मठ ● जागरण

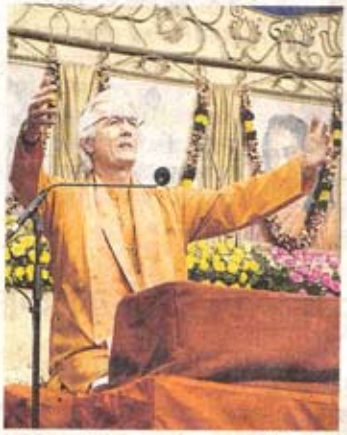

संबोधित करते योगदा सत्संग के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद।

अंतिम दिन भजन-कीर्तन और ध्यान हुआ

अंतिम दिन भजन-कीर्तन का कार्यक्रम भी हुआ। सामूहिक रूप से भक्तों ने ध्यान किया। योग किया और क्रिया योग के बारे में जानकारी ली। विदेश ही नहीं, देश के कई हिस्सों से भक्त आए हुए थे। हर साल शरद संगम का आयोजन किया जाता है। एक सप्ताह तक आश्रम के अनुशासन में भक्त रहते हैं। आश्रम के महासचिव स्वामी स्मरणानंद गिरि ने भी भक्तों को संबोधित किया।

योगदा सत्संग आश्रम में शरद संगम के समापन कार्यक्रम में ध्यान का अभ्यास करते भक्त।